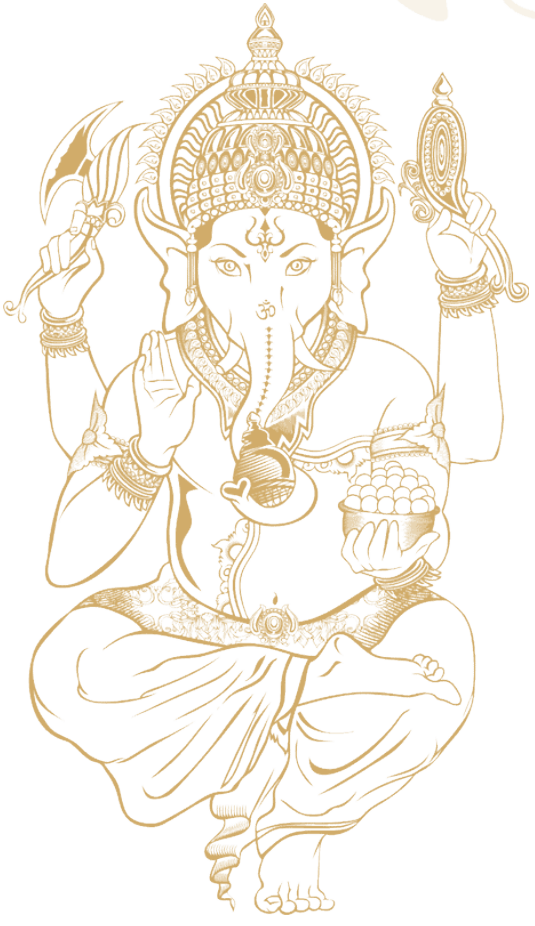

Sangita Gupta

20 Nov 1971

09:20 PM

Kangra

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120093602

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/11/1971	जन्म तिथि	**20/11/2025**
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 21:20:00	जन्म समय	17:32:19 घंटे
घटी 35:55:57	जन्म समय(घटी)	26:24:44 घटी
India	देश	India
Kangra	स्थान	Kangra
उत्तर 32:04:00	अक्षांश	32:04:00 उत्तर
पूर्व 76:16:00	रेखांश	76:16:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:56	स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:37	सूर्योदय	06:58:25
17:23:04	सूर्यास्त	17:22:42
23:28:03	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:10

कर्क	लग्न	वृष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
धनु	राशि	वृश्चिक
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
मूल	नक्षत्र	अनुराधा
केतु	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
धृति	योग	अतिगण्ड
तैतिल	करण	किंस्तुघ्न
यो-योगेश	जन्म नामाक्षर	ना-नन्दिता
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
श्वान	योनि	मृग
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प
54	गत/तत्कालिक वर्ष	55

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पुनर्वसु	4	01:24:17	कर्क		
अनुराधा	1	04:12:00	वृश्चि		
मूल	2	03:30:47	धनु		
शतभिषा	3	14:20:22	कुंभ		
ज्येष्ठा	3	25:48:53	वृश्चि		
ज्येष्ठा	1	19:35:01	वृश्चि		
ज्येष्ठा	3	26:00:42	वृश्चि		
कृतिका	4	09:59:40	वृष	व	
श्रवण	2	14:11:57	मक	व	
पुष्य	4	14:11:57	कर्क	व	
हस्त	4	23:04:45	कन्या		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृष	08:06:06	4	कृतिका
सूर्य			वृश्चि	04:12:00	1	अनुराधा
चंद्र			वृश्चि	06:34:36	1	अनुराधा
मंगल		अ	वृश्चि	17:20:19	1	ज्येष्ठा
बुध	व	अ	वृश्चि	03:56:17	1	अनुराधा
गुरु	व		कर्क	00:48:12	4	पुनर्वसु
शुक्र			तुला	22:47:05	1	विशाखा
शनि	व		मीन	00:59:26	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	21:09:55	1	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	21:09:55	3	पू०फाल्गुनी
मु			मक	01:24:17	2	उत्तराषाढ़ा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

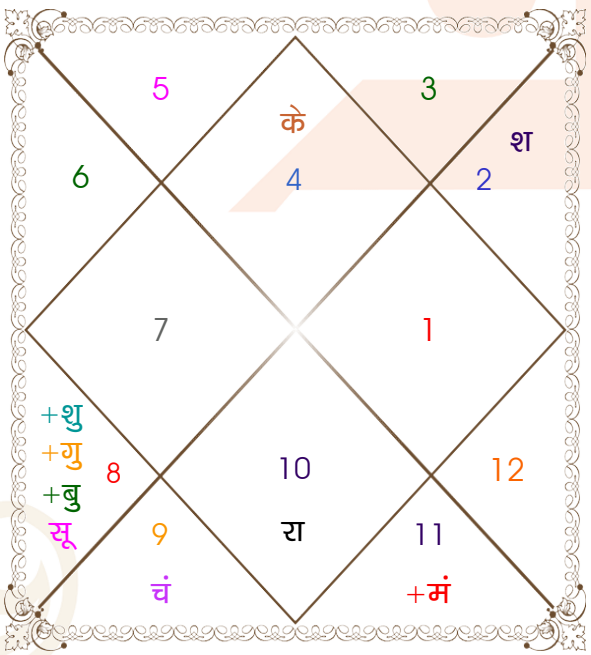

वर्ष लग्न कुंडली

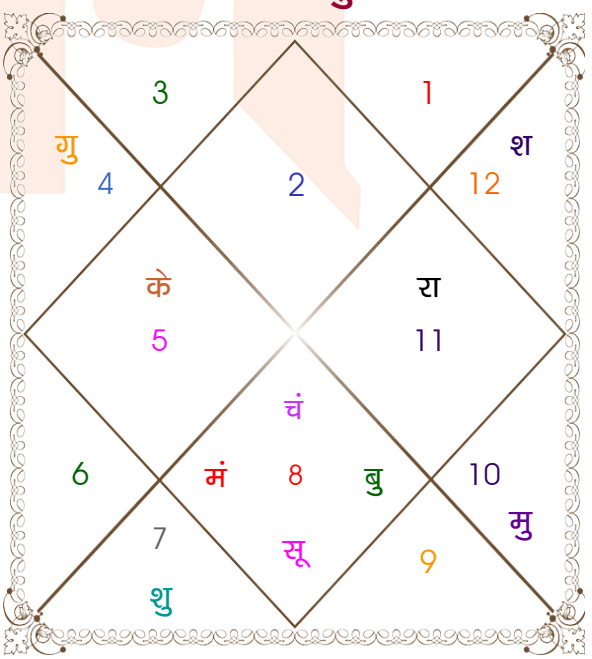

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - बुध		राहु - शनि - केतु		राहु - शनि - शुक्र		राहु - शनि - सूर्य	
05/08/2025 07:24		30/12/2025 18:40		01/03/2026 12:01		21/08/2026 23:52	
30/12/2025 18:40		01/03/2026 12:01		21/08/2026 23:52		13/10/2026 01:01	
बुध	26/08/2025 04:47	केतु	03/01/2026 07:41	शुक्र	30/03/2026 09:59	सूर्य	24/08/2026 14:19
केतु	03/09/2025 19:15	शुक्र	13/01/2026 10:34	सूर्य	08/04/2026 02:11	चंद्र	28/08/2026 22:25
शुक्र	28/09/2025 09:08	सूर्य	16/01/2026 11:26	चंद्र	22/04/2026 13:10	मंगल	31/08/2026 23:17
सूर्य	05/10/2025 18:05	चंद्र	21/01/2026 12:53	मंगल	02/05/2026 16:04	राहु	08/09/2026 18:39
चंद्र	18/10/2025 01:02	मंगल	25/01/2026 01:54	राहु	28/05/2026 16:38	गुरु	15/09/2026 17:13
मंगल	26/10/2025 15:29	राहु	03/02/2026 04:30	गुरु	20/06/2026 19:49	शनि	23/09/2026 23:00
राहु	17/11/2025 18:23	गुरु	11/02/2026 06:48	शनि	18/07/2026 07:06	बुध	01/10/2026 07:57
गुरु	07/12/2025 10:17	शनि	20/02/2026 21:33	बुध	11/08/2026 20:58	केतु	04/10/2026 08:49
शनि	30/12/2025 18:40	बुध	01/03/2026 12:01	केतु	21/08/2026 23:52	शुक्र	13/10/2026 01:01

राहु - शनि - चंद्र		राहु - शनि - मंगल		राहु - शनि - राहु		राहु - शनि - गुरु	
13/10/2026 01:01		07/01/2027 18:57		09/03/2027 12:17		12/08/2027 15:45	
07/01/2027 18:57		09/03/2027 12:17		12/08/2027 15:45		29/12/2027 10:50	
चंद्र	20/10/2026 06:31	मंगल	11/01/2027 07:57	राहु	01/04/2027 22:25	गुरु	31/08/2027 03:54
मंगल	25/10/2026 07:57	राहु	20/01/2027 10:33	गुरु	22/04/2027 18:04	शनि	22/09/2027 03:19
राहु	07/11/2026 08:15	गुरु	28/01/2027 12:52	शनि	17/05/2027 11:25	बुध	11/10/2027 19:13
गुरु	18/11/2026 21:50	शनि	07/02/2027 03:37	बुध	08/06/2027 14:19	केतु	19/10/2027 21:32
शनि	02/12/2026 15:28	बुध	15/02/2027 18:04	केतु	17/06/2027 16:55	शुक्र	12/11/2027 00:43
बुध	14/12/2026 22:25	केतु	19/02/2027 07:05	शुक्र	13/07/2027 17:29	सूर्य	18/11/2027 23:16
केतु	19/12/2026 23:52	शुक्र	01/03/2027 09:59	सूर्य	21/07/2027 12:52	चंद्र	30/11/2027 12:52
शुक्र	03/01/2027 10:51	सूर्य	04/03/2027 10:51	चंद्र	03/08/2027 13:09	मंगल	08/12/2027 15:10
सूर्य	07/01/2027 18:57	चंद्र	09/03/2027 12:17	मंगल	12/08/2027 15:45	राहु	29/12/2027 10:50

राहु - बुध - बुध		राहु - बुध - केतु		राहु - बुध - शुक्र		राहु - बुध - सूर्य	
29/12/2027 10:50		09/05/2028 09:33		02/07/2028 17:30		04/12/2028 23:03	
09/05/2028 09:33		02/07/2028 17:30		04/12/2028 23:03		20/01/2029 12:43	
बुध	17/01/2028 03:27	केतु	12/05/2028 13:37	शुक्र	28/07/2028 14:25	सूर्य	07/12/2028 06:56
केतु	24/01/2028 20:11	शुक्र	21/05/2028 14:56	सूर्य	05/08/2028 08:42	चंद्र	11/12/2028 04:04
शुक्र	15/02/2028 19:58	सूर्य	24/05/2028 08:08	चंद्र	18/08/2028 07:10	मंगल	13/12/2028 21:16
सूर्य	22/02/2028 10:18	चंद्र	28/05/2028 20:48	मंगल	27/08/2028 08:29	राहु	20/12/2028 20:55
चंद्र	04/03/2028 10:12	मंगल	01/06/2028 00:52	राहु	19/09/2028 15:19	गुरु	27/12/2028 01:56
मंगल	12/03/2028 02:55	राहु	09/06/2028 04:27	गुरु	10/10/2028 08:03	शनि	03/01/2029 10:54
राहु	31/03/2028 21:56	गुरु	16/06/2028 10:19	शनि	03/11/2028 21:56	बुध	10/01/2029 01:14
गुरु	18/04/2028 12:09	शनि	25/06/2028 00:46	बुध	25/11/2028 21:43	केतु	12/01/2029 18:26
शनि	09/05/2028 09:33	बुध	02/07/2028 17:30	केतु	04/12/2028 23:03	शुक्र	20/01/2029 12:43

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी।साथ ही आपके सभी सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके समस्त कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा लोग आपकी बुद्धि से प्रभावित रहेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों में भी इस समय आप पूर्ण रूप से प्रवृत रहेंगी तथा विधिपूर्वक इनको सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा सेवा करेंगी। संतति पक्ष से इस समय आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता तथा उन्नति प्राप्त करेंगे ।साथ ही इस समय पुत्र संतति की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। साथ ही आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी अतः रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी या नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे जिससे आपको महत्वपूर्ण लाभ की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग तथा लाभ भी प्राप्त होता रहेगा एवं आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी।इसके अतिरिक्त पति, पुत्र, मित्र तथा संबधियों आदि से भी आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी तथा सुख की अनुभूति करेंगी।